**आदेश 21, नियम 97 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

आवेदक निम्नलिखित में अतिसादर पूर्वक निवेदन करता है

1. यह कि इस आदरणीय न्यायालय की डिक्री दिनांकित... ..........में वर्णित सम्पत्ति के कब्जे के लिए एक डिक्री निर्णीत ऋणी के विरुद्ध आवेदक के पक्ष में पारित की गयी।
2. यह कि तारीख........... आवेदक निर्णीत ऋणी के भवन का कब्जा हेतु एक वारण्ट इस आदरणीय न्यायालय से प्राप्त किया और तारीख............. प्रशासकीय न्यायालय ने कब्जा के वारप्ट निष्पादित करने के लिए निर्णीत ऋणी के भवन का निरीक्षण किया।
3. यह कि डिक्री निर्णीत तथा उसके कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा कारित किये गये प्रतिरोध एवम् बाधा के कारण निष्पादित नहीं करायी जा सकती थी।
4. यह कि निर्णीत ऋणी एवम् उसके कुटुम्ब के अन्य सदस्यों द्वारा पैदा किये गये प्रतिरोध एवम् बाधा किसी न्यायसंगत कारण के बिना थी।

**प्रार्थना**

अतएव, यह अति सादरपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि आदरणीय न्यायालय विरोधी पक्षकार को नोटिस जारी करने की कृपा करें तथा अन्वेषण मामले में किये जाने के लिए आदेशित किया जाय और तत्पश्चात् आदेश सम्पत्ति के कब्जाधारी को पेश करने के लिए आदेश किया जाय। यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**वादी**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.........**

**तारीख.........**